RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 33 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 20 जनवरी 2025 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

निकाय चुनाव : वादे ही वादे कि ये करेंगे वो करेंगे

प्रचार में दिख रही मुंहजोरी

कार्यालय प्रतिनिधि

उत्तराखण्ड के नागर निकाय चुनावों में प्रत्याशियों द्वारा वादे ही वादे किये जा रहे हैं कि ये करेंगे वो करेंगे। प्रचार को और ज्यादा चटकारा बनाते हुए सोशल मीडिया का सहारा लिया गया है। कुछ नये, कुछ पुराने फोटो के साथ इधर-उधर जलसे-जुसूल की रिकार्डिंग को मिलाकर जनता के बीच परोसा जा रहा है। प्रचार के इस अभियान में वोट मांगने के लिये घूमते हुए भी क्लिपिंग बनाकर साया की गई हैं। इस पूरे अभियान में पार्टियों का जोर अपनी जगह है लेकिन निर्दलीय भी कम नहीं दिखाई दे रहे।

दरअसल नागर निकाय चुनावों में प्रत्याशियों की नाक का सवाल तो है ही लेकिन इससे भी ज्यादा चतुराई उन नेताओं की है जो 2027 को लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। इस प्रकार पार्टी और नेताओं का गणित 2027 के विधान सभा चुनाव की तैयार को लेकर ज्यादा है। पूरे प्रदेश में भाजपा को सत्ताधारी होने का लाभ है लेकिन जिस प्रकार से बगावत और भीतरघात हुआ है वह बड़ी चुनौती है। कांग्रेस निकाय चुनाव के बहाने पूरा मौका ढूंढने लगी है। उत्तराखण्ड में एकदम कमजोर हो चुकी पार्टी को विधान सभा चुनाव में कुछ सीटें मिलीं और देश में विपक्ष की हल्की बढ़त के बाद से नेताओं को लग रहा है कि कांग्रेस लौट आएगी।

प्रदेश में उत्तराखण्ड क्रान्तिदल का मात्र शोर रह गया है जबकि सारे कार्य मजबूत संगठन से होते हैं। हालातों को जानते हुए यूकेडी रास्ता बनाने के लिये कुछ सीटों पर दांव चल रही है।

-पार्टी और नेताओं का गणित 2027 की तैयारी ज्यादा
-भाजपा को सत्ता का लाभ लेकिन चुनौती अधिक है
-कांग्रेस निकाय चुनाव के बहाने पूरा मौका ढूंढने लगी
-यूकेडी का रास्ते बनाने के लिये कुछ सीटों पर दांव
-आप की उपस्थिति, सपा और बसपा भी लाइन में

आम आदमी पार्टी की उपस्थिति दिखाई दे रही है। इस पर्वतीय प्रदेश में आप को मौका नहीं मिला है लेकिन उसके कार्यकर्ताओं की पहले से चाह है कि उन्हें भी मौका मिले। सपा और बसपा कुछ सीटों पर समर्थन के साथ लाइन में खड़े हैं।

निकाय चुनाव की इस बरसात में वर्तमान और पूर्व मंत्री, सांसद, विधायक, दर्जामंत्री प्रचार में कूद पड़े हैं। मेयर के चुनाव प्रचार में एकदम फायर ब्राण्ड भाषण इन नेताओं के सुने गये हैं। विधायक-मंत्रियों ने घर-घर प्रतिष्ठानों में पैदल घूम-घूम कर अपने प्रत्याशी के पक्ष में मतदान की अपील की है। प्रचार के पूरे अभियान में नेताओं की मुंहजोरी दिखाई दे रही है। एक-दूसरे पर हाबी होने के लिये सीमा लांघते इनकी जुवान को कई बार बचकाना हरकत कहा जा रहा है। जबकि जनप्रतिनिधि के बोल सधे हुए होने चाहिये, उनकी परिपक्वता झलकनी चाहिये।

माना जा रहा है कि निकाय चुनाव के बाद धामी सरकार दायित्व बांट सकती है। उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग और महिला आयोग के अध्यक्ष की कुर्सी खाली है। इन

वर्तमान और पूर्व मंत्री, सांसद, विधायक, दर्जामंत्री प्रचार में कूदे

पार्टियों के स्टार प्रचारों के साथ जगह-जगह सभाएं और जुलूस

निकाय चुनाव के बाद दायित्व बांट सकती है धामी सरकार

आयोगों के साथ ही बद्रीकेदार मन्दिर समिति के अध्यक्ष, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष पद की कुर्सी भी दायित्व देकर पूरित करनी है। निकाय चुनाव के बाद ही प्रदेश में धार्मिक यात्रा के सुरक्षित संचालन के लिये धर्मस्व और तीर्थाटन परिषद को भी हरीझण्डी मिलेगी। इसका ड्राफ्ट तैयार है, प्रदेश मंत्रिमण्डल की बैठक में लाया जायेगा। निकाय चुनाव में हर बड़े नेता का कूदना बता रहा है कि चुनाव के दांवपेंच कितने तीखे होते जा रहे हैं।

कांग्रेस के स्टार प्रचारकों में प्रदेश अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी, पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत, गाविन्द सिंह कुन्जवाल, नवप्रभात, सुरेन्द्र सिंह नेगी, हीरा सिंह बिष्ट, मंत्री प्रसाद नैथानी, शूरवीर सिंह सजवाण, विधायक तिलक राज बेहड़, सुमित हृदयेश, विक्रम सिंह नेगी, आदेश सिंह चौहान, फुकरान अहम, ममता राकेश, रवि बहादुर, काजी निजामुद्दीन, मनोज तिवारी, गोपाल सिंह राणा, वीरेन्द्र, लखपत सिंह, हरीश धामी, अनुपमा रावत, खुशाल सिंह अधिकारी, पूर्व राष्ट्रीय सचिव प्रकाश जोशी, लोकसभा प्रत्याशी वीरेन्द्र रावत, पूर्व विधायक जोतसिंह गुलसोला, भगीरथ भट्ट, सतीश नैनवाल, ज्योति रौतेला आदि थे।

कांग्रेस का दावा है कि निकाय चुनाव में जनता भाजपा का चिट्ठा खोलकर रख देगी। दूसरी ओर देहरादून में भाजपा के वरिष्ठ नेता व प्रवक्ता सुरेश जोशी ने प्रेस वार्ता में दावा किया कि प्रदेश में 102 में से जिन 100 निकायों में चुनाव हो रहे हैं वहाँ भाजपा सौ प्रतिशत जीत दर्ज करेगी। भाजपा ने इस चुनावी घमासान में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के साथ यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लगा दिया। पार्टी के स्टार प्रचारकों में राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यन्त कुमार गौतम, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी, केन्द्रीय राज्यमंत्री अजय टम्टा, सांसद अनिल बलूनी, पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, सांसद अजय भट्ट, माला राजलक्ष्मी शाह, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल, तीरथ सिंह रावत, विजय बहुगुणा, बिशन सिंह चुफाल, बंशीधर भगत, मदन कौशिक, सतपाल महाराज, सुबोध उनियाल, प्रेमचंद अग्रवाल, रेखा आर्य आदि हैं।

कांग्रेस-भाजपा के इस पूरे अभियान से स्पष्ट हो जाता है कि हर स्तर की सत्ता पर कब्जे के लिये पार्टियों ने ताकत झोंक दी है। निकाय चुनाव में हार-जीत का असर इनके भविष्य की राजनीति पर है। इसलिये नेतागण भी चौकन्ने हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

उद्योगपति व नौकरशाह भी बन सकेंगे कुलपति

देशभर के विश्वविद्यालयों में अब उद्योगपति और ब्यूरोकेट भी कुलपति बन सकेंगे। अभी विवि में दस साल का नियमित प्रोफेसर होना और अन्य योग्यता रखने वाले शिक्षाविदों को ही कुलपति पद पर सुशोभित किया जाता है लेकिन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए रेगुलेशन के अनुसार अब उद्योगपति और ब्यूरोक्रेश भी विवि के कुलपति बन सकेंगे।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने बहुत विचार के बाद ही यह सब तय किया होगा लेकिन यह भी स्पष्ट हो जाना चाहिये कि 'कुलपति' जैसे पद पर किसी प्रकार का राजनीतिक पट्टा न लगा हो। अक्सर यह देखा जाता है कि पार्टी या किसी हित के कारण अमुक व्यक्ति को मौका दिया जाता है। राज्यपाल की कुर्सी तक में ऐसा देखा गया है कि पार्टी से जुड़े व्यक्ति को पुरस्कार रूप में अवसर मिलता है। शिक्षा के क्षेत्र में किस प्रकार से बढ़ोत्तरी की जा सकती है और कौन व्यक्ति इसके लिये उपयुक्त हो सकता है, बहुत विचार के बाद ही उसे कुलपति की कुर्सी सौंपी जाए। इसके लिये चाहे शिक्षाविद्, उद्योगपति, नौकरशाह कोई भी हो।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

लोकतंत्र की मुख्यधारा से जुड़ेगा जारवा समुदाय

पोर्ट ब्लेयर। अण्डमान-निकोबार द्वीपसमूह प्रशासन ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए जारवा समुदाय के 19 सदस्यों के नाम मतदाता सूची में शामिल किए हैं। उन्हें मतदाता पहचान पत्र प्रदान किए गए हैं। मुख्य सचिव चन्द्रभूषण कुमार ने दक्षिण अण्डमान जिले के जिरकाटांग स्थित बस्ती में जादवा आदिम जनजाति के सदस्यों को मतदाता पहचान पत्र सौंपे।

3500यूएसडॉलर में सुखबीर की नकली कलाकृति

लखनऊ। वाश शैली के शानदार कलाकार प्रो.सुखबीर सिंघल की एक कलाकृति सुदाम सत्कार की किसी ने हू-ब-हू पेंटिंग बनाकर ई-बे साईट पर बिक्री के लिए अपलेड कर दी हैं। इस पेटिंग की कीमत 3500 यूएस डॉलर रखी गई है। पेंटिंग पर सुखवीर सिंघल के हस्ताक्षर भी हैं।

5 फरवरी को दिल्ली में मतदान, 8 को परिणाम

नई दिल्ली। देश की राजधानी में चुनावी धुंआधार हो रही है। 70 सदस्यीय विधानसभा के लिये 5 फरवरी को मतदान होगा जबकि मतों की गिनती 8 फरवरी को की जाएगी। वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी को समाप्त हो रहा है।

दो भारतवंशी डेमोक्रेट वर्जीनिया असेंबली में

न्यूयॉर्क। अमेरिका के वर्जीनिया राज्य की जनरल असेम्बली के विशेष चुनाव में दो भारतीय अमेरिकी डेमोक्रेट निर्वाचित हुए हैं। लाउडडाउन टाइम्स-मिरर के अनुसार जे.जे.सिंह और कनन श्रीनिवासन का निर्वाचन हुआ है। 32 वें स्टेट सीनेट डेलिगेट्स डिस्ट्रिक्ट में रिक्त सीट को भरने के लिये विशेष चुनाव कराया गया था।

फसक

दाज्यू, अन्तिम दिनों के प्रचार में सब निभाने ठैरे

इन दिनों में झण्डे-डण्डे बोकने वालों का मेला होता है बल

दाज्यू, चुनाव की भजाभाज में हमारे रघु दा नहाना भी भूल गये हैं। कह रहे थे- 'कई दिनों से कुल्ला तक नहीं किया है। वोटरों को मनाने के लिये गली-गली घूमना पड़ रहा है।' दाज्यू, चुनाव का दस्तूर ही ऐसा बन चुका है क्या किया जाए? लाखों रुपया फूंक कर गू-कचार सब एकबट्याने ठैरे। सबकी सुननी भी जरूरी है। वार्ड मेम्बर के लिये मैदान में उतरा लड्डन और भूरे भी भाषण देने लगे हैं। दाज्यू, अन्तिम दिनों के प्रचार में सब निभाने ठैरे। इन दिनों में झण्डे-डण्डे बोकने वालों का मेला होता है बल। नगद लिफाफा और चाट-चपेणा के लोभ में झोपड़ बस्ती वाले खुश हैं।

दाज्यू, हल्द्वानी में मेयर पद के लिये निर्दलीय प्रत्याशी फौजी भुवन चन्द्र पाण्डे को भाजपा के नेता अपने साथ ले गये तो पहाड़ी आर्मी के संस्थापक सदस्य एवं अध्यक्ष हरीश रावत ने कोतवाली में तहरीर दी। बाद में भाजपा नेता पाण्डे को उनके घर छोड़ गये। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें पार्टी पर लौटने और उनका प्रचार करने का दबाव डाला गया लेकिन वह इन पार्टियों के खिलाफ लड़ेंगे। दाज्यू, शहर के एक पार्षद ने पत्रकार तो को ही धमका दिया। दाज्यू, अन्तिम दिनों का प्रचार-प्रसाद ठोस होता है बल। भगवान बचाए......। पिथौरागढ़ में विधायक मयूख और उनकी पार्टी की ही जिलाध्यक्ष भावना नगरकोटी में तनतानी हो गई। भावना का कहना है- 'विधायक सच्चे और ईमानदार लोगों को सताएंगे तो मैं आत्महत्या कर लूंगी। इसकी जिम्मेदारी विधायक की होगी।' दाज्यू, चुनाव प्रचार के समय पता नहीं कौन सी ग्रहदशा चल रही है। कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की पहली सूची में धीरेन्द्र प्रताप का नाम न होने से वह नाराज हो गये बल। दाज्यू, जमाने में बहुत स्टार हैं, इनसे क्या जो हो जाएगा?

दाज्यू, चुनाव तो दंगल ठैरा, शहर में चप्पूबाज नगद-उधारी करते रहते हैं बल। टनकपुर स्टेडियम में संविदा पर रखा हॉकी के कोच पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। देहरादून में एक बालिका के साथ उसे तरक्की दिलाने के नाम पर भानू प्रकाश नाम के कोच ने दुष्कर्म कर डाला। रेख मंत्री ने तत्काल उसकी संविदा समाप्त कर सख्त सजा के लिये कह दिया। दाज्यू, नेशनल खेल तो प्रदेश में अब हो रहे हैं, खिलाड़ी तो पहले से.........। सारी जाँच-पड़ताल होनी चाहिये आंखिर माजरा क्या हो रहा है। दाज्यू, टनकपुर के वार्ड नम्बर सात से चुनाव लड़ रहा दीपक बेलवाल गिरफ्तार हो चुका है। इसके खिलाफ कोर्ट का वारंट जारी था।

दाज्यू, कांग्रेस अध्यक्ष सहित विपक्ष वाले कह रहे हैं- 'सीएम व मंत्री आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे हैं।' दाज्यू, लंघन और उल्लंघन तो सदा से होता रहा है। जिसकी सत्ता है, वह तेल पानी सरकारी ही लगाता है बल। दाज्यू, हाईकोर्ट ने बागेश्वर की काण्डा तहसील के गाँवों में खड़िया खनन के चलते आई दरारों के मामले में सख्ती दिखा दी है। खनन में लगी 124 मशीनें सीज कर दी गई हैं। जिला खान अधिकारी को निलम्बित कर दिया गया है। दाज्यू, दुनिया में दरार का काम पहले ही क्यों नहीं रोक दिया जाता होगा? अब चुनाव टक्कर से दरार आ रही है। -तुम्हारा भुली झकरुवा

हल्द्वानी मेयर प्रत्याशियों के आक्रामक बोल के मायने निकाल रहे हैं मतदाता

निर्दलीय प्रत्याशियों के अभियान से वोट सरकने का खतरा भी

हल्द्वानी। हल्द्वानी-काठगोदाम नगर निगम के मेयर के लिये चुनाव लड़ रहे भाजपा कांग्रेस प्रत्याशियों के आक्रामक बोल के मायने मतदाता निकालने लगे हैं। कांग्रेस के ललित जोशी और भाजपा के गजराज बिष्ट और इन दोनों पार्टी के नेताओं द्वारा जिस प्रकार से प्रचार के समय और सोशल मीडिया में जिस प्रकार से बातों को रखा जा रहा है, उसका भुगतान मतदाता अपने मतों के द्वारा जरूर करेगा। ऊपर से निर्दलीय प्रत्याशियों के अभियान से वोट सरकने का खतरा भी दोनों पार्टियों को है। समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी का नाम वापसी के बाद से कांग्रेस को वजन मिला है लेकिन भाजपा की ओर से सनातनी और गैर सनातनी बात करते हुए जिस प्रकार से इसे रंगा जा रहा है वह भी सवाल है। राजनीति के बोल-बांट कैसे होते हैं और इन्हें किस प्रकार से अपने हित में प्रयोग कर लिया जाता है, इसे मतदाता भली प्रकार समझने लगे हैं।

बात यदि मेयर पद के प्रत्याशियों की करें तो निर्दलीय दीप चन्द्र पाण्डे सबसे ज्यादा सम्वेदनशील और जुझारू हैं। एमबीए शिक्षित श्री पाण्डे चुनाव से हटकर हमेशा से युवाओं में बढ़ते नशे की समस्या को जड़ से समाप्त करने, कूड़ा निस्तारण की समस्या के निदान सहित सामाजिक मुद्दों पर जुटे रहते हैं। वह कहते हैं कि हल्द्वानी को स्वच्छ, स्वस्थ और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे।

निर्दलीय के अन्य प्रत्याशी भी चुनाव मैदान में हैं अपनी बात रख रहे हैं लेकिन पार्टियों के जोर में चुनाव के समीकरण कैसे बनेंगे यह यह मतदान के दिन ही पता चल पायेगा। फिलहाल चर्चा तो यह होने लगी है कि पद में आने से पहले ही प्रत्याशी जितना आक्रामक दिखाई दे रहे हैं यदि इन्हें अवसर दिया गया तो यह कैसा जो करेंगे?

भाजपा के प्रत्याशी गजराज पर सारा दारोमदार है कि वह किस प्रकार से अपना रास्ता बनाएंगे। भाजपा के गढ़ कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र निवासी गजराज को पार्टी के वोट मिलने हैं लेकिन खामोश हो चुके नेताओं का रुख क्या होगा कहा नहीं जा सकता। सपा द्वारा कांग्रेस को समर्थन पर गजराज कहते हैं- 'उत्तराखण्ड आन्दोलन में अत्याचार करने वाली सपा सरकार इनके साथ है। जनता सबक देगी।' अपने प्रचार में गजराज पार्टी के हर छोटे-बड़े नेताओं से मिल चुके हैं। इसी प्रकार कांग्रेस के जोशीले प्रत्याशी ललित जोशी अपनी पार्टी के सारे गुटों के नेताओं से मिल चुके हैं और प्रचार के लिये बहुत आगे हैं। वह सीधे से आरोप लगाते हुए कहते हैं- 'हल्द्वानी संवारने के लिये जितनी बड़ी धनराशि आई थी उसका क्या हुआ? सारा हिसाब लिया जायेगा। शहर को सुव्यवस्थित करने के लिये मनमानी नहीं होने देंगे। ठेके लेने के लिये गुजराज और यूपी से आने वाले सहन नहीं हैं, स्थानीय युवाओं को अवसर दिया जाएगा।' कुल जमा पूरे प्रचार अभियान में मुंहजोरी अधिक हो रही है। बात-बात पर गले मिलना, जो मुंह में आया कह देना, पार्टी की आड़ और जोड़तोड़ का पूरा खेल इस चुनाव में चल रहा है। इस मुकाबले में हल्द्वानी नगर निगम का नया इतिहास बनने जा रहा है। एकदम नए चेहरे इसमें होंगे वह चाहे कोई जीते।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

चुनाव चक्कर

उत्तराखण्ड को स्थायी तौर पर अपनी राजनीति और दलों को प्राथमिकताएं बदलने की जरूरत है

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

प्रदेश में नगर निकाय चुनाव का घमासान प्रत्याशियों की बगावत के बीच जारी है। जो हालात पूरे चुनाव माहौल में दिखाई दे रहे हैं, ऐसे में इस प्रदेश को स्थायी तौर पर अपनी राजनीति बदलने की ज़रूरत है और राजनैतिक दलों को अपनी प्राथमिकताएँ। दिलचस्प है कि औपनिवेशिक दौर में इस विशेष भौगोलिक राज्य के लिए आज़ाद भारत के नीति-निर्धारकों से कहीं प्रगतिशील दृष्टि थी। बहरहाल, पार्टी में पनपने वाले इस विरोध को सियासी पंडित तो अपने ही नजरिये से देख रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषक की माने तो सत्ताधारी पार्टी के नाराज कार्यकर्ताओं को काफी हद तक मना लिया जाता है लेकिन विपक्ष के नेतृत्व के लिए यह एक बड़ी चुनौती है।

राजनीतिक विश्लेषकों ने पार्टी के प्रति समर्पण भाव से कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की मनोदशा की वास्तविकता को बयां करते हुए डैमेज कंट्रोल के मामले पर कहा, कई चुनाव में विरोधियों के पक्ष में भी चुनावी नतीजे सामने आ जाते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि सत्याधारी पार्टी नाराज पार्टी कार्यकर्ताओं को सरकार और संगठन में अहम पद देने के आधार पर मनाने में सफल हो जाती है जबकि विपक्षी पार्टी के पास यह विकल्प उपलब्ध नहीं है। वहीं सत्याधारी पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक ने विरोधियों से बातचीत करने का हवाला देते हुए पार्टी के कार्यकर्ताओं के विरोध के मामले पर कहा कि कुछ लोगों को मना लिया गया है। कुछ लोगों को मनाए जाने के प्रयास कर रहे हैं और जो लोग नहीं मानेंगे उनके साथ पार्टी की रीति-नीति के तहत ही चुनावी मैदान में मजबूती के साथ दमदार तरीके से चुनाव लड़ा जाएगा। मुख्य विपक्षी पार्टी के विरोधियों के डैमेज को भी कंट्रोल करना एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है, जो अलग-अलग पदों के प्रत्याशी पार्टी के विरोध में निर्दलीय चुनावी मैदान में उतर चुके हैं, ऐसे विरोधियों का डैमेज कंट्रोल करना अब पार्टी के लिए एक बड़ा चैलेंज हो गया है। विपक्षी पार्टी के पाट्ह की प्रदेश प्रवक्ता ने इस बात को स्वीकार किया है कि पार्टी के सिम्बल पर जिन लोगों का टिकट नहीं मिल पाया है, ऐसे पार्टी कार्यकर्ता दुःखी होंगे, ऐसे कार्यकर्ताओं का मनोबल भी टूटा होगा। उन्होंने इसको एक नेचुरल प्रक्रिया करार देते हुए कहा कि जिन लोगों का टिकट नहीं हो पाया है, ऐसे पार्टी कार्यकर्ताओं से समन्वय स्थापित किया जा रहा है। उनका मान-मनोव्वल किया जाएगा और उनको मनाने के हर सम्भव प्रयास किए जाएंगे।

देहरादून में मौजूद में पूरे प्रदेश भर में अपने ही प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे सत्ताधारी के इन वाक्यों को लेकर के गहन मंत्रणा चल रही है। नाम वापसी तक कई लोगों से बातचीत की गई वहीं कुछ ऐसे भी जिनसे बात करने की लाख कोशिशों के बाद नतीजा सिफर ही निकला। नौकरशाही का खामियाजा आमजन ने भुगता लेकिन सत्ताधारी तो इसमें भी मुनाफा कमा गए। हर किलता के लिए नौकरशाही को कोसने वाले सफेदपोश व्यक्तिगत स्तर पर लाभार्थी ही रहे हैं। जब उत्तर प्रदेश का विभाजन हुआ तो यह माना जाता रहा कि अब नवोदित उत्तराखण्ड राज्य की राजनीतिक संस्कृति भी अलग होगी लेकिन यह हुआ नहीं। आज भी उत्तराखण्ड उत्तर प्रदेश की ही राजनीतिक विरासत ढो रहा है। बस बाहुबल की राजनीतिक संस्कृति से कफी हद तक निजात मिली है, बाकी सारी तिकड़म की राजनीति वहाँ भी है और यहाँ भी। मतदाताओं के सामने खड़ी समस्याओं के समाधान से अधिक उनकी भावनाओं के दोहन की फिक्र रही है। राजनीति पर उनकी राय अच्छी नहीं है। यहाँ यूज एण्ड थ्रो चलता है। उन लोगों पर सवाल खड़ा किया जो सत्ता में आने वाली पार्टी में शामिल हो जाते हैं। उन्होंने कहा- कई लोग सत्ता में आने वाली पार्टी की ओर दौड़ पड़ते हैं। ऐसे में विचार और वफादारी आँखिर कहाँ जाती है? हमारे देश में विचारधारा कोई समस्या नहीं है, विचारों का खालीपन समस्या है। विचारधारा और सिद्धान्तों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करने की है।

ज्योतिष की बातें- 213

21 जनवरी 2025 को मंगल वक्री गति से चलते हुए वापस शत्रुराशि मिथुन में आ जाएगा। अतः मंगल निर्बल रहेगा। फलदीपिका के अनुसार मंगल त्रिषडाय भावों अर्थात् तीसरे, छठवें और ग्यारहवें स्थान पर शुभ होता है, साथ ही मंगल कर्क और लसह राशियों के लिए योगकारक भी होता है अतः अगले 72 दिन मंगल धैर्य, स्वास्थ्य, पराक्रम, विरोधियों पर विजय, भूमि-भवन-वाहन का लाभ आदि के रूप में मेष, मकर, सिंह व कर्क राशि के जातकों को शुभफल प्रदान करेगा। शेष राशि के जातकों को अभी प्रतीक्षा करनी चाहिए। 24 जनवरी 2025 को बुध मकर राशि में प्रवेश करेगा जहाँ पर मंगल की क्रूर दृष्टि तो गुरु की शुभ दृष्टि भी पड़ेगी। इसके पूर्व 20 जनवरी 2025 को बुध अस्त भी हो जाएगा। अतः बुध कुछ निर्बल और मिश्रित फलदायक रहेगा। अगले 18 दिन बुध बौद्धिक क्षमता, वाणिज्य, व्यापार आदि अपने कारक विषयों में धनु, तुला, लसह, मिथुन, मेष व मीन राशि के जातकों को शुभफल प्रदान करेगा ।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 104

विदेशी शब्दों से घृणा क्यों!

अपने देश में सभी बड़े शहरों में पहले माल रोड होती थी उन सभी का एक साथ नाम बदलकर महात्मा गांधी रोड कर दिया गया। उसके बाद यूरोपीय महापुरुषों से सम्बन्धित जो भी पार्कों के नाम, चौराहों के नाम स्मारक आदि थे सभी के नाम बदल दिए गए। फिर मुगलों के नाम पर जो भवन, महामार्ग, उद्यान, स्मारक व नगरों के नाम आदि थे उनको भी बदलने की प्रक्रिया निरन्तर जारी है। बल्कि अब तो दूसरी पार्टी के भारतीय महापुरुषों के नाम पर जो स्मारक आदि हैं उनके भी नाम बदले जा रहे हैं।

एक बार विचार करें पौराणिक महापुरुषों के साथ-साथ महात्मा गांधी आदि भारतीय महापुरुषों के नाम पर यूरोप अमेरिका आदि विभिन्न देशों में सैकड़ो मूर्तियाँ, स्मारक, चौराहे आदि बने हुए हैं। महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानन्द, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, भीमराव अम्बेडकर, सरदार पटेल, जे आर डी टाटा, स्वामी श्रद्धानन्द, लाला लाजपत राय, विपिन चन्द्र पाल, रानी लक्ष्मी बाई आदि महापुरुषों की सैकड़ों, हजारों मूर्तियाँ यूरोप और अमेरिका में स्थापित हैं। इन्हीं महापुरुषों के नाम पर सड़कों, पार्कों के नाम भी रखे गए हैं। यहाँ तक कि महात्मा गांधी स्क्वायर लन्दन में, नेहरू सेंटर लन्दन में, टैगोर सांस्कृतिक केन्द्र पेरिस में, अम्बेडकर स्मारक लन्दन में, सरदार पटेल स्मारक लन्दन में आदि आदि स्थापित हैं। सबसे बड़ी बात तो ये है कि जिन महापुरुषों ने इंग्लैंड के खिलाफ लड़ाई लड़ी, उनके भी स्मारक आदि इंग्लैण्ड में बने हुए हैं।

भारत की तरह क्या कभी विदेशों से भी भारतीय महापुरुषों की मूर्तियां आदि हटाने की बात चली है? सोचें एक बार। स्मारक हटाने से, नाम बदलने से अपना गौरवशाली इतिहास भी नष्ट होता है।

-ओंकार नाथ कोष्टा

लघु कहानी

जरा सी मुझे भी

—दीवान सिंह कठायत

क्षेत्रीय साँस्कृतिक व नवोदित कलाकारों को मंच पर स्थान देकर उन्हें प्रतिभा प्रदर्शन के मौके मुहैया कराने के सन्देश से गुसाई सिंह अत्यन्त हर्षित होकर निकटवर्ती नगर के विशाल मैदान में लगे महोत्सव में प्रतिभाग करने सायंकाल घर से निकल पड़े। गुसाई सिंह अपनी संस्कृति से सम्बन्धित अनेक कलाओं के मर्मज्ञ थे लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों तक ही अब तक उनकी धमक रही थी। गरीबी व ऊँचे लोगों तक उनकी पहुँच न बन पाने तथा स्थानीय ग्रामीण निवासी होने से उन्हें अब तक खास मंचों पर मौका व उचित सम्मान नहीं मिल पाया था।

इस बार मौका मिलने की आश उन्हें अन्दर से काफी प्रफुल्लित बना सन्तुष्टि प्रदान कर रही थी। उन्हें यकीन था कि उनके पड़ोसी गाँव के निवासी जो इस महोत्सव के खास व्यक्ति हैं उन्हें रात को बहुसंख्य जनता के सम्मुख अपनी कला प्रदर्शन का एक मौका जरूर देंगे। पड़ोसी द्वारा बहुत पहले उन्हें इस बारे में आश्वासन भी मिल चुका था।

मैदान में भारी भीड़ व चकाचौंध देख पहले तो वह घबरा गया मगर एक स्थान पर इतने सारे आम व खास लोगों के बीच अपनी प्रस्तुति देने का अविस्मरणीय मौका उन्हें उत्साहित करते हुए आत्मबल से परिपूर्ण कर गया। मंच पर सधे हुए कलाकारों व गायकों का कार्यक्रम आरम्भ हुआ लोग तालियाँ बजाकर उनका उत्साहवर्धन करते हुए आनन्द लेने लगे। गुसाई सिंह अपनी प्रस्तुति के लिए बेताब हो अपने पड़ोसी से 'जरा सा मुझे भी' 'जरा सा....' कहते हुए याचना करने लगे। 'बस थोड़ी देर में' कह पड़ोसी ने उन्हें शाँत करना चाहा। बार-बार उनकी आत्मिक माँग प्रायोजकों द्वारा अनमने से होकर टालने का प्रयास होता रहा। मध्य रात्रि हो चुकी थी कुछ दर्शक अब अपने घरों को जाने लगे लेकिन उदघोषक द्वारा बार-बार बाहरी प्रतिष्ठित कलाकारों का हवाला दे मैदान में रुकने को बोला जा रहा था। गुसाई सिंह को अब लगा कि उसका कद इन कलाकारों से काफी नीचा होने के कारण शायद उसे अनसुना किया जा रहा है और अपमानित सा भी। वह अन्दर से टूटने लगा। धीरे -धीरे उसके भारी कदम अपने घर की ओर बढ़ने लगे। अन्धेरे में चलते हुए वह सोचने लगे स्थानीय कलाकारों को मौका देने की बात, तब इन्होंने बैनरों पर क्यों लिखी होगी? सहसा उसका पैर पत्थर से टकराया वह बड़ी मुश्किल से संभल पाया तभी उसे उस पड़ोसी द्वारा वर्षों पूर्व कही गई वह बात याद हो आई 'अरे यार गुसै दा! जो लिखा जाता है असल में वैसा होता थोड़ी है?' राह चलते हुए अब उसे दुनिया की असलियत पता होने लगी थी।

खटीमा चुनाव नाक का सवाल बना

खटीमा। नगर पालिका अध्यक्ष के लिये भाजपा-कांग्रेस के प्रत्याशी जी-जान से लगे हैं। यह सीट सीधे से सीएम पुष्कर धामी और उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी के नाक का सवाल भी है। भाजपा ने रमेश जोशी को चुनाव मैदान में उतारा है जबकि कांग्रेस ने उमेश राठौर को प्रत्याशी बनाया है। खटीमा विधानसभा सीट पर कापड़ी ने धामी को मात देकर अपना कद बढ़ाया है और कांग्रेस का दबदबा बदकरार है लेकिन भाजपा ने पुष्कर को सीएम के रूप में स्थापित कर खटीमा के लिये सवाल किया। ऐसे में यह सवाल उठते हैं कि काश, खटीमा वालों ने धामी को विधायक बना दिया होता। फिलहाल निकाय चुनाव के इस मौके पर भविष्य की राजनीति का बड़ा खेल जारी है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

जनजातीय कल्याण समिति का आयोजन

गाजियाबाद। जौनसार बावर जनजातीय कल्याण समिति दिल्ली द्वारा 28वां मिलन समारोह एवं सांस्कृति समारोह मनाया गया। जिसके मुख्य अतिथि केंद्रीय केबिनेट मंत्री जनजातीय ज्वेलो राम थे। समिति प्रमुख रतन सिंह रावत, अध्यक्ष मायाराम रावत, पूर्व अध्यक्ष तुलानन्द जोशी, पदम सिंह नेगी सहित जौनसार बावर के की तमाम हस्तियां मौजूद थीं।

रानीखेत छावनी परिषद चुनाव टले

रानीखेत। प्रदेश की सबसे बड़ी कैंट रानीखेत समेत देश की सभी 56 छावनियों के चुनाव टल गये हैं। अभी वैरी बोर्ड के हाथों में ही इनकी कमान रहेगी। रक्षा मंत्रालय ने इनका कार्यकाल और बढ़ा दिया है। जिसके चलते इस साल छावनी परिषद चुनाव नहीं होंगे। छावनियों के वैरी बोर्ड का कार्यकाल एक साल तक बढ़ने के बाद अब नागरिक हितों के निर्णय, समस्याओं की सुनवाई व समाधान के साथ्ज्ञ ही विकास से सम्बन्धित काम तीन सदस्यीय वैरी बोर्ड ही करेगी। वैरी बोर्ड का कार्यकाल बढ़ने से नागरिकों के प्रतिनिधित्व को पूर्व में नामित सदस्रों का कार्यकाल खुद ही बढ़ गया है। उल्लेखनीय है कि 2021 में फरवरी के माह में उत्तराखण्ड के 9 कैण्ट बोर्ड समेत देशभर के 56 छावनी परिषदों के निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो गया था।

माघ की खिचड़ी, ध्यैनियों का सम्मान

मकर संक्रान्ति के साथ ही उत्तरायण के आयोजन लगातार जारी हैं। बागेश्वर के विख्यात मेले की सजावट अभी बनी हुई है। उत्तरकाशी का मेघ मेला अभी तक रौनक में है। शहरों में आयोजित होने वाले उत्तरायणी के सांस्कृतिक आयोजन अलबत्ता निपट चुके हैं। इस बीच माघ खिचड़ी का प्रमुख आयोजन अपने-अपने तौर-तरीकों से जारी है।

शौका समाज द्वारा ध्यैनियों के सम्मान में माघ की खिचड़ी के आयोजनों की लगातार सूचना मिल रही है। जोहार के गाँवों में निवासरत लोगों ने परम्परागत तरीके से घरों में आयोजन किये। मुनस्यारी, बागेश्वर, धरमघर, पांखू, अल्मोड़ा से भी इस प्रकार के समाचार मिले हैं। रुद्रपुर और हल्द्वानी महानगरों में अपने राठों व समूह के साथ सामुहिक आयोजनों के वृहद कार्यक्रम मनाए गये और कुछ अभी होने हैं। इसमें बहनों-भांजियों को विशेष रूप में निर्मंत्रित किया जाता है और सम्मान स्वरूप खिचड़ी भोज व उपहार दिये जाते हैं। आयोजनों में वरिष्ठ जनों व सहयोगियों को सम्मानित करने का उत्साह भी दिखाया गया है। शहरों में यत्र-तत्र निवास कर रहे परिवारों को एकजुट कर सामुहिक रूप से होने वाले इस प्रकार के आयोजनों में एकसाथ मेल-मिलाप का सुखद अवसर बनता है। देहरादून, लखनऊ में भी इस प्रकार की प्रथा चल पड़ी है।

गंगोलीहाट में धुंआधार प्रचार के बाद भी धुंध

गंगोलीहाट। नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिये प्रत्याशियों द्वारा धुंधाधार प्रचार के बाद भी धुंध दिखाई दे रही है। भाजपा के विमल रावल के प्रचार में विधायक फकीर राम, कांग्रेस के नारायण बोहरा के प्रचार में पूर्व दर्जामंत्री खजान गुड्डू खूब दौड़े। यूकेडी के कल्याण सिंह धानिक, निर्दलीय भूपेश पन्त के समर्थक भी पूरा जोर लगा चुके हैं।

बेरीनाग में निर्दलीय चकमा दे सकते हैं

बेरीनाग। नगर पालिका अध्यक्ष पद पर कांग्रेस की हेमवन्ती पन्त, भाजपा की खिला धानिक के अलावा निर्दलीय आशा भैसोड़ा, पुष्पा शाह, मालती देवी, रजनी रावत और रमा के बीच मुकाबला है। निवर्तमान अध्यक्ष हेम पन्त के अनुभव का लाभ कांग्रेस प्रत्याशी को है लेकिन निर्दलीय निर्दलीय पुष्पा शाह के पक्ष में बना माहौल पूरे चुनाव को चकमा देगा।

परिक्रमा

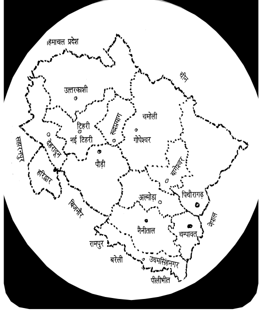

खटीमा चुनाव में बसपा का समर्थन

खटीमा। भाजपा-कांग्रेस के सीधे मुकाबले को निर्दलीय राशिद अंसारी ने रोचक बना दिया है। बहुजन समाजवादी वार्दी ने राशिद को समर्थन दिया है। पार्टी ने अपनी राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के आदेश क्रम में यह समर्थन दिया है। यहाँ अध्यक्ष पद पर भाजपा के रमेश जोशी व कांग्रेस के उमेश सिंह राठौर, डाक्टर प्रदीप सिंह बड़वाल की पत्नी रूमाना नकवी भी जोरशोर से टक्कर दे रही हैं।

ऋषिकेश में पार्टी से निष्कासित

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी ने परवतदूत देहरादून के अन्तर्गत अपने वाले स्थानीय नगर निकायों ऋषिकेश नगर निगम और डोईवाला नगर पालिका परिषद के चुनाव में पार्टी विरोधी गतिविधि में शमिल व अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे दिनेश मास्टर, महेन्द्र सिंह, सुधीर राय को निष्कासित कर दिया। इसी प्रकार डोईवाला में राजवीर खत्री को कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने पर निष्कासित कर दिया है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

काशीपुर मेयर प्रत्याशी गुंडागर्दी पर लगाम का वायदा कर रहे हैं

तराई की काशीपुर मेयर की सीट के लिये भाजपा-कांग्रेस में सीधी टक्कर होनी तय है हालांकि इनका गणित उलटने के लिये अन्य प्रत्याशी भी चुनाव मैदान में हैं। कांग्रेस पिछले दो दशक का हिसाब चुकता करने की बात कर रही है। भाजपा की ओर से गुण्डागर्दी बन्द कराने की बात दोहराई जा रही है। कांग्रेस का गढ़ रहा काशीपुर क्षेत्र समझौता व वोट समीकरणों में भाजपा के पाले में हो चुका है लेकिन इस बार कांटे की टक्कर है क्योंकि तमाम मसलों को लेकर पार्टी कार्यकर्ता खुलकर विरोध प्रदर्शन करते रहे हैं। यही कारण है कि मेयर प्रत्याशी सबसे पहले गुण्डागर्दी पर लगाम का वायदा कर रहे हैं। कांग्रेस ने संदीप सहगल और भाजपा ने दीपक बाली को चुनाव मैदान में उतारा है।

रुद्रपुर मेयर प्रत्याशी की आड़ में अपना रास्ता बनाया जा रहा है

रुद्रपुर में मेयर पद के लिये जबर्दस्त टक्कर होने जा रही है। दरअसल यहाँ पहले से विधायक की कुर्सी के लिये महत्वाकांक्षी नेता अपने सारे प्रयोग करते रहे हैं। कांग्रेस के तिलकराज बेहड़, भाजपा पर रहे राजकुमार ठुकराल सहित अन्य नेताओं के बयानों और कारनामों से साफ हो जाता है कि वह निकाय के हर पद पर भी अपना या अपने चेहते को चाहेंगे। राजेश शुक्ला भी तराई की इस राजनीति में बहुत उलट-पुलट को तैयार रहते हैं। रुद्रपुर के विधायक शिव अरोरा भी अपनी ताकत बढ़ाने के लिये जोर लगा रहे हैं। ऐसे में भाजपा और कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशियों के बीच हो रहे मुकाबले के साथ ही इन तमाम नेताओं का गुणा-भाग काम कर रहा है क्योंकि यह तराई की राजनीति है।

छुट्टियों में विशेष कक्षाएं चलाकर लाभ दे रहे हैं शिक्षक आलोक

बागेश्वर। राजकीय इण्टर कालेज बैसानी व वज्यूला में छुट्टियों में विशेष कक्षाएं चलाकर शिक्षकों ने शानदार शुरुआत की है।

रा.इण्टर कालेज वज्यूला में शीत कालीन अवकाश के दौरान इण्टर के विद्यार्थियों को भौतिक की विशेष कक्षाएं दी जा रही हैं। प्रवक्ता आलोक पाण्डेक प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष्र भी विद्यार्थियों को विद्युत चुम्बकीय तरंगें, ऑप्टिक्स, आधुनिक भौतिकी, न्यूक्लियर, फिजिक्स आदि के कठिन पाठों को पढ़ाने के साथ ही प्रयोगशाला में विद्युत सर्किट और परावर्तन के प्रयोग करवा रहे हैं। पिछले वर्षों में प्रश्न पत्र और मॉक टेस्ट की मदद से प्रबन्धन और उत्तर लेखन के टिप्स विद्यार्थियों को दिये हैं। शिक्षक के इन प्रयासों की सराहना हो रही है क्योंकि इससे कमजोर बच्चों को तैयारी में मदद मिल रही है। इसी प्रकार रा.हाईस्कूल बैसानी में शीतकालीन अवकाश के दौरान बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी सराहनीय है। यहां हाईस्कूल के 22 विद्यार्थी परीक्षा तैयार कर रहे हैं।

पिथौरागढ़ कांग्रेस की धुंध का असर

विधायक महर अपनी जिद पर अड़े, विरोध भी जारी

पिथौरागढ़। निकाय चुनाव में टिकट बंटवारे से शुरू हुई रार कांग्रेस पार्टी के लिये तीखी मिर्च सी हो चुकी है। पार्टी ने मेयर पद का टिकट उनकी इच्छा अनुसार नहीं दिया तो विधायक मयूख महर ने सीधे से ऐलान कर दिया कि पार्टी प्रत्याशी अंजू लुण्ठी अपने प्रचार में उनका (विधायक) का फोटो न लगाएं। यह रार बढ़ती चली गई और पार्टी के दो गुट आमने-सामने हैं। कांग्रेस की धुंध का असर यह है कि इसके परिणाम आने वाले दिनों में साफ दिखाई देंगे। कांग्रेस के दिग्गज और स्वच्छ छवि के जगत सिंह खाती भाजपा में चले गये हैं।

चुनाव प्रचार के दौरान विधायक और महिला अध्यक्ष भावना नगरकोटी के बीच हुए टकराव को भी गुटबाजी का हिस्सा कहा जा सकता है। विधायक ने अभद्रता का आरोप लगाते हुए माफी मांगने को कहा। ऐसे में महिला अध्यक्ष ने का मैं आत्महत्या करने को तैयार हूँ लेकिन माफी नहीं मांगूगी। कहा कि झूठे आरोप लगाकर विधायक दबाव बना रहे हैं। सच्चे और ईमानदार लोगों को सताया जाएगा तो दोनों पति-पत्नी आत्महत्या कर लेंगे।

पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ प्रचार सहित अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिये कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा पहले ही कह चुके हैं। ऐसे में तय है मयूख महर की जिद और दूसरे पक्ष का विरोध कांग्रेस का नया रंग-रूप दिखाई देगा। इस चुनाव के परिणामों पर क्या प्रभाव इस लड़ाई को होगा वह तो मतगणना के बाद ही पता चलेगा। भाजपा में भी गुटबाजी हो रही है और नाराज निर्दलीय के साथ हो चुके लेकिन पार्टी संगठन ने काफी संभाल करते हुए माहौल अपने पक्ष में बनाया है।

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

मो.न. 8958525979, 9411134775

नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

फोन सम्पर्क- 05961-222236

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

रं ल्वो ज्या अंतर्राष्ट्रीय रं भाषा दिवस की धूम

धारचूला। रं कल्याण संस्था की ओर से आयोजित रं ल्वो ज्या अन्तर्राष्ट्रीय रं भाषा दिवस की धूम रहीं। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्था के केन्द्रीय संरक्षक नृप सिंह नपलच्याल, अध्यक्ष अरविन्द सिंह ह्यांकी पूर्व अध्यक्ष बिशन सिंह बौनाल, नन्दन न्यास के संस्थापक सदस्य पुष्कर सिंह ने किया। उन्होंने स्व. करन सिंह गर्ब्याल एवं दानवीर स्व. नन्दराम लाल, कुन्ती ला के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद करन सिंह गर्ब्याल को समर्पित त्रैमासिक पत्रिका रिंग लेबा का विमोचन किया।

इस अवसर पर नृप सिंह नपलच्याल ने कहा कि रं भाषा देव भाषा है जो सदियों से अपने मूल अस्तित्व में आज भी विद्यमान है। संरक्षक बोनाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में रं ल्वो के बारे में विस्तार से बता कर पूरे देश में इसे प्रचारित किया। केन्द्रीय अध्यक्ष अरविन्द सिंह ह्यांकी ने कहा कि मातृ भषा रं को संरक्षित करना समय की मांग है।

कार्यक्रम संचालक कृष्ण गर्ब्याल थे। गीतकार व साहित्यकारों ने रं भाषा में अपनी प्रस्तुतियां दीं। पारम्परिक वेशभूषा में रं संग्रहालय तक झांकी निकाली गई। इस मौके पर चन्द्र सिंह नपलच्याल, राजेश्वरी लाल, अमृता ह्यांकी, नारायण नपलच्याल, विक्रम रौंकली, गोविन्द सिंह गुंज्याल, किशोर कुटियाल, दीपक रौंकली, अशोक नबियाल, निहारिका गर्ब्याल, उत्तम नबियाल उपस्थित थे।

बागियों पर पार्टियों का चाबुक

देहरादून। निकाय चुनाव में पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ खड़े नेताओं पर अनुशासन का डण्डा चल रहा है। भाजपा और कांग्रेस ने बागियों को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है और कुछ के लिये संस्तुति की है। बागियों पर पार्टियों का चाबुक बता रहा है कि इन दोनों पार्टी के चेहरे बहुत बदलने जा रहे हैं। भाजपा ने श्रीनगर में आरती भण्डारी, लखपत भण्डारी सहित सौ लोगों को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। पार्टी के महामंत्री आदित्य कोठारी का कहना है कि पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के विरुद्ध मैदान में उतरे कार्यकर्ताओं को सोच-विचार के लिये पर्याप्त समय दिया गया था जिसमें अधिकांश मान गये थे। कांग्रेस ने रुड़की से पूर्व विधायक यशपाल राणा, कोटद्वार से महेन्द्र पाल सिंह राणा, ऋषिकेश से दिनेश चन्द मास्टर सहित बीस लोगों को पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ होने पर हटा दिया है। पार्टी अध्यक्ष करना माहरा ने कहा कि पार्टी अनुशासन तोड़ने वालों को सहन नहीं करेगी।

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क 7351285555
नरेन्द्र सिंह रावत

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
मो.- 9458920379, 6396098804
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत
होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
www.mountainheights.in
मो. 9760007148

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल
भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

रमेश बरफाल
(मालती सदन)
पार्वती कालोनी, बिष्टधड़ा
बिठौरिया नं. 1, हल्द्वानी

रमेश सिंह जंगपांगी
उत्तरांचल विहार
भोटिया पड़ाव
हल्द्वानी

प्रधान
पन्तनगर
बीज भण्डार
गांधी चौक,
पिथौरागढ़
जगदीश पुनेड़ा

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)